दैनिक सवेरा टाइम्स
संडे सवेरा
www.dainiksaveratimes.com



ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पति पत्नी और वो' में मेरे द्वारा निभाए गए चिंटू त्यागी के रोल के लिए मुझे 'ज़ी सिने अवार्ड्स' 2020 में 'बैस्ट एक्टर इन कॉमिक रोल' के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। मेरी परफॉर्मेंस को दर्शकों के साथ फिल्म क्रिटिक्स ने भी खूब सराहा है। मैं दर्शकों का तहे दिल से आभारी हूं। 'सोनू के टीटू की स्वीटी' में अपने शानदार अभिनय के लिए मिली जीत के बाद मुझे दूसरी बार उसी श्रेणी में यह पुरस्कार मिला है। मैं आशा करता हूं कि आने वाले समय में भी आप सबका इसी तरह से दिल जीतता रहूंगा। **-कार्तिक आर्यन**

'वॉर' की सफलता पर खुश वाणी



फिल्म 'वॉर' को रिलीज हुए पांच महीने के ऊपर हो चुका है, लेकिन फिल्म की एक्ट्रेस वाणी कपूर अब तक फिल्म की कामयाबी का जश्न मना रही हैं। वाणी का कहना है कि हिंदी सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़े ब्लॉकबस्टर में से एक बनी फिल्म 'वॉर' के साथ उनके लिए वर्ष 2019 बेहद अच्छा रहा। फिल्म में वाणी के बोल्ड अंदाज को खूब पसंद किया गया। साथ ही, ऋतिक रोशन के साथ उनकी कैमिस्ट्री भी दर्शकों को बेहद पसंद आई। फिल्म 'वॉर' के बारे में बात करते हुए वाणी ने कहा, 'हिंदी सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़े ब्लॉकबस्टर में से एक बनी फिल्म 'वॉर' के साथ मेरे लिए वर्ष 2019 बेहद अच्छा रहा। बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड बनाने के साथ पूरे भारत में दर्शकों का मनोरंजन करने वाली इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही।' एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'भले ही इस फिल्म में मेरी भूमिका छोटी थी लेकिन सार्थक रही। मुझे खुशी है कि मैंने अपना किरदार जैसे निभाया लोगों ने वास्तव में इसकी सराहना की और मैं सभी शुभकामनाओं के लिए सभी शुभचिंतकों और फैंस की आभारी हूं।' वाणी कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'शमशेरा' में रणबीर कपूर के साथ नजर आएंगी। यह एक पीरियड फिल्म है, जिसमें रणबीर कपूर एक डाकू के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में वाणी का किरदार एक नौटंकी वाली का है जो शहरों, गांवों और कस्बों में घूमकर अपनी दिलकश अदाओं से लोगों को दीवाना बना लेती है। फिल्म 'शमशेरा' में संजय दत्त विलेन के किरदार में दिखाई देंगे। यशराज फिल्म्स की इस फिल्म को करण मल्होत्रा डायरैक्ट करेंगे।

दिशा की झोली में बेहतरीन रोल्स



दिशा पटानी और आदित्य राय कपूर की जोड़ी पहली बार मोहित सूरी द्वारा निर्देशित 'मलंग' में सिल्वर स्क्रीन पर नजर आई। 07 फरवरी को रिलीज हुई इस फिल्म में दिशा और आदित्य रॉय कपूर पर फिल्माया गया एक अंडरवाटर लंबा किसिंग सीन काफी चर्चाओं में रहा। टाइगर श्रॉफ और साथ दिशा पटानी एक लंबे समय से रिलेशन में हैं। उन्हें बॉलीवुड के सबसे ज्यादा क्यूट कपल के रूप में जाना जाता है। पिछले दिनों दोनों के ब्रेकअप की खबरें भी खूब सुर्खियों में रहीं लेकिन अब वह फिर साथ नजर आने लगे हैं। बहुत खूबसूरत और टैलेंटेड दिशा पटानी की ग्लैमरस अदाएं आजकल हर किसी को खूब घायल कर रही हैं। नौजवान पीढ़ी के दर्शकों पर उनका खुमार जबरदस्त है। मासूमियत, बोल्डनैस, समझदारी और पागलपन सब कुछ दिशा के व्यक्तित्व में नजर आ जाता है। आज बॉलीवुड की सबसे हॉट हीरोइनों में दिशा का नाम शुमार है। दिशा का परफैक्ट फिगर और स्टाइल स्टेटमैंट गजब का है। 13 जून, 1992 को बरेली में पैदा हुई इस अभिनेत्री ने लखनऊ से कम्प्यूटर साइंस में बी. टैक किया है। वह 2013 में पॉन्ड्स फेमिना मिस इंडिया स्पर्धा में प्रथम रनर रह चुकी हैं। उसके बाद दिशा ने एक हेयर कलर की एड फिल्म के साथ मॉडलिंग करियर की शुरुआत की। मॉडलिंग के दौरान दिशा ने डांस और मार्शल आर्ट्स की क्लासेस ज्वाइन कर लीं और फिल्मों के लिए ऑडिशन देने शुरू कर दिए। दिशा को पहली बार तेलुगू फिल्म 'लोफर' (2015) का ऑफर मिला। इसके अगले साल उन्हें 'एम.एस.धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी' (2016) मिल गई और इस तरह बॉलीवुड में उनका करियर शुरू हो गया। इस फिल्म में उन्हें प्रियंका झा वाले किरदार के लिए जबरदस्त सराहना और पहचान मिली। 2016 में दिशा पटानी ने टाइगर श्रॉफ के साथ म्यूजिक वीडियो 'बेफिक्रा' किया जिसे काफी अधिक पसंद किया गया। उसमें दिशा की खूबसूरती देखते ही बनती थी। चीनी इंग्लिश और हिंदी में बनी 'कुंग फू योगा' (2017) में दिशा जैकी चैन के साथ नजर आईं। उसके बाद टाइगर श्रॉफ के साथ 'बागी 2' (2018) के लीड रोल में दिशा ने अपनी शानदार अदाकारी से ऑडियंस का दिल जीत लिया। 'वैलकम टू न्यूयॉर्क' (2018) में ढेर सारे जाने-माने सितारों के बीच दिशा भी एक कैमियो में नजर आईं। उसके बाद भारत (2019) में सलमान के साथ दिशा ने स्लो मोशन गीत में जबरदस्त ग्लैमर बिखेरा। फिल्म की शूटिंग के दौरान सलमान दिशा से इतने ज्यादा प्रभावित हुए थे कि उन्होंने दिशा को एक और फिल्म का प्रॉमिस कर दिया। बहुत जल्दी उन्होंने अपनी इस प्रोमिस को 'राधे : योर मोस्ट वांटेड भाई' के रूप में पूरा भी कर दिया। सोहेल खान और अतुल अग्निहोत्री द्वारा निर्मित 'राधे : योर मोस्ट वांटेड भाई' में दिशा सलमान खान के साथ मेन लीड में नजर आएंगी। हाल ही में टाइगर और श्रद्धा कपूर स्टारर 'बागी-3' में दिशा पटानी 'दस बहाने करके ले गई दिल' के रिक्रिएट किए गए आइटम सांग में टाइगर श्रॉफ के साथ जबरदस्त धमाल मचाते नजर आई हैं। 2017 में आई कोरियन फिल्म 'द आऊटलॉज' के इस हिंदी रीमेक का निर्देशन प्रभु देवा कर रहे हैं। यह इस साल ईद पर आएगी। एकता कपूर की आशिमा छिब्बर द्वारा निर्देशित कॉमेडी फिल्म 'केटीना' में दिशा पटानी चंडीगढ़ की एक बेहद अंधविश्वासी पंजाबी लड़की का किरदार निभा रही हैं। 'बागी 2' में अहमद खान के साथ काम कर चुकी दिशा पटानी एक बार फिर से उनके निर्देशन में बन रही 'वैलकम 3' में जॉन के अपोजिट मेन लीड में नजर आ सकती हैं। इस तरह की भी खबरें हैं कि दिशा, सलमान और जैकलिन फर्नांडीस के साथ 'किक 2' के एक स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर निभाएंगी। दिशा पटानी ने हाल ही में अपना यू-ट्यूब चैनल लॉन्च किया है। इस पर वह अपने अनुभव साझा करते हुए वीडियो अपलोड करती रहती हैं। इसके साथ ही खबर है कि दिशा हॉलीवुड के लिए भी ट्राई कर रही हैं।

बोल्ड एंड ब्यूटीफुल नुसरत



'जय संतोषी मां' (2006) के जरिए डैब्यू करने वाली नुसरत भरूचा ने अपनी काबिलियत से बॉलीवुड में अपने लिए यह खास मुकाम बनाया है। करियर की शुरुआत में उन्हें शिकायत थी कि उन्हें कोई अच्छी फिल्म ऑफर नहीं करता लेकिन 'प्यार का पंचनामा' (2011) के बाद उनकी सारी शिकायतें दूर हो चुकी हैं। 'प्यार का पंचनामा' (2011) के बाद नुसरत लव रंजन की 'आकाशवाणी' (2013) 'प्यार का पंचनामा 2' (2015) और 'सोनू के टीटू की स्वीटी' (2018) में नजर आईं। 'सोनू के टीटू की स्वीटी' (2018) नुसरत की 100 करोड़ के क्लब में शामिल होने वाली पहली फिल्म बनी। 'सोनू के टीटू की स्वीटी' (2018) के बाद ड्रीमगर्ल (2019) नुसरत के कैरियर की दूसरी बड़ी फिल्म थी। इस फिल्म ने भी 100 करोड़ के क्लब में एंट्री ली और रातों-रात नुसरत का स्टारडम सातवें आसमान पर नजर आने लगा। खबर आ रही है कि सलमान खान के मैनेजर जॉडी पटेल द्वारा बनाई जा रही लव स्टोरी बेस्ड अगली फिल्म 'बुलबुल मैरिज हॉल' के लिए नुसरत भरूचा को लेने पर विचार हो रहा है।

लव रंजन के साथ नुसरत की एक खास टयूनिंग है लेकिन इसका एक दुष्परिणाम यह हुआ कि उनके साथ नुसरत का नाम जोड़ दिया गया लेकिन नुसरत ने इसकी कभी परवाह नहीं की और वह निरंतर आगे बढ़ती रही।

हाल ही में लव रंजन ने अजय देवगन रनबीर कपूर और श्रद्धा कपूर स्टॉरर अपनी आगामी फिल्म में नुसरत को शामिल किया है। यह फिल्म 2021 में आएगी। मरजावां (2019) में नुसरत ने एक जोरदार आइटम किया था। उसके बाद उनके पास इस तरह के काफी ऑफर आ रहे हैं लेकिन फिलहाल उन्हें आइटम में ज्यादा दिलचस्पी नहीं है।

सोनम कपूर की तरह नुसरत को भी उनके बैस्ट ड्रैस सैंस के लिए जाना जाता है। कोई भी पब्लिक इवैंट हो, वह हमेशा बोल्ड अंदाज में नजर आती हैं। जितनी चर्चा उनकी एक्टिंग की होती है, उतनी ही चर्चा उनके फैशन को लेकर भी होती है। हंसल मेहता की 'छलांग' में नुसरत भरूचा, राजकुमार राव के अपोजिट नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास एक और फिल्म 'हुड़दंग' भी है।



ऋषि के साथ नजर आएंगी दीपिका



दुनिया की मशहूर मैगजीन फोर्ब्स द्वारा 2019 में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली महिलाओं की लिस्ट में दीपिका का नाम शामिल किया गया। इस तरह वह बॉलीवुड की ऐसी इकलौती एक्ट्रेस बन गई जिसे फोर्ब्स ने 100 सैलिब्रिटी की लिस्ट में जगह दी।

इसके पहले भी वह दुनिया की सबसे गॉरजियस महिला का टाइटल हासिल कर चुकी हैं। इसी साल स्विट्जरलैंड के शहर दावोस में उन्हें मैंटल हैल्थ अवेयरनैस के लिए 26वें वार्षिक क्रिस्टल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 'पद्मावत' (2018) के दो साल बाद, इस साल दीपिका की 'छपाक' (2020) रिलीज हुई। हालांकि शाहरुख खान, अनुष्का शर्मा और कैटरीना कैफ स्टॉरर 'जीरो' (2018) में भी उन्होंने एक स्पैशल अपीयरैंस किया था लेकिन 'पद्मावत' (2018) के बाद यह उनकी पहली लीड रोल वाली फिल्म थी। 'छपाक' (2020) में दीपिका ने ऐसिड अटैक विक्टिम लक्ष्मी अग्रवाल का किरदार निभाया था। यह पहला अवसर था जब दीपिका ने एक्टिंग के साथ कोई फिल्म प्रोडयूस भी की थी। मेघना गुलजार निर्देशित यह फिल्म अजय देवगन की 'तानाजी' के साथ क्लैश करने की वजह से ज्यादा अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी।

'छपाक' (2020) की रिलीज के ठीक पहले दीपिका ने एक सोचे-समझे पब्लिसिटी स्टंट के अंतर्गत जे.एन.यू. पहुंचकर कन्हैया कुमार के 'ले के रहेंगे आजादी' नारे वाले कैम्पेन में हिस्सा लिया। दीपिका को लगा था कि कन्हैया के साथ खड़े होने पर वामपंथी बुद्धजीवियों और पत्रकारों का उन्हें खुलकर समर्थन मिल जाएगा।

लेकिन जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी में जाकर फिल्म के लिए दीपिका की प्रचार राजनीति काम नहीं आई और 'छपाक' (2020) बॉक्स ऑफिस पर औधे मुंह जा गिरी। जे.एन.यू. विजिट के बाद अब दीपिका के उन विज्ञापनों का बॉयकाट शुरू हो गया जिनमें वह किसी ब्रांड को प्रमोट करती नजर आ रही हैं। 05 जनवरी को 34 की हो चुकी दीपिका की 'इस साल एक और फिल्म '83' रिलीज होगी। कबीर खान के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में वह कपिल देव का किरदार निभा रहे पति रणवीर सिंह की बीवी का किरदार निभा रही हैं। ऋषि कपूर के साथ दीपिका 2015 में रिलीज हॉलीवुड की इंटीमेट रिलेशंस पर बेस्ड लाइट कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'द इंटर्न' का रीमेक भी कर रही हैं। इसे अजूर एंटरटेनमैंट और वॉर्नर ब्रदर्स मिलकर प्रोडयूस करेंगे। दीपिका इसमें एक्टिंग करने के साथ इसे को-प्रोडयूस भी कर रही हैं। लड़कियों के वर्क प्लेस पर पर्सनल रिलेशन बेस्ड यह फिल्म आज के माहौल और समझ में एकदम प्रासंगिक नजर आती है। लव रंजन की फिल्म में रनबीर कपूर के अपोजिट एक फिल्म दीपिका को ऑफर हुई थी लेकिन उसे उन्होंने ठुकरा दिया। इसके बाद श्रद्धा कपूर ने दीपिका की जगह ले ली है। यदि दीपिका इस फिल्म को साइन कर लेतीं, तब रनबीर के साथ यह उनकी चौथी फिल्म होती।

काजल को हुआ इश्क

रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम' में अजय देवगन के साथ नजर आईं एक्ट्रेस काजल अग्रवाल डेटिंग की खबरों को लेकर सुर्खियों में हैं। टेनिस चैंपियन लिएंडर पेस संग उनके अफेयर की खबरें बी-टाऊन के गलियारों में छाई हुई हैं। खबरों के अनुसार काजल अग्रवाल और लिएंडर पेस को कई मर्तबा एक साथ देखा गया है। इन दिनों लिएंडर पेस और काजल अग्रवाल को एक-दूसरे की कंपनी बहुत अच्छी लग रही है। रिपोर्ट की मानें तो फिलहाल दोनों सिर्फ एक-दूसरे को अच्छी तरह जानने की कोशिश कर रहे हैं। अगर मीडिया की चकाचौंध उनके रिश्ते पर नहीं पड़ी तो दोनों के बीच चीजें आगे बढ़ सकती हैं। अभी उन्हें पर्सनल स्पेस की जरूरत है। उनके रिश्ते को लेकर अभी कुछ भी क्लियर नहीं है। बता दें कि लिएंडर पेस की पर्सनल लाइफ हमेशा विवादों में रही है। पूर्व लिव-इन पार्टनर रिया पिल्लई और उनके बीच चल रहे कोर्ट केस ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। रिया पिल्लई ने अपने और बेटी के गुजारे भत्ते के लिए लिएंडर पेस पर कानूनी केस फाइल किया है। काजल अग्रवाल के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे कमल हासन के साथ फिल्म इंडियन 2 में नजर आएंगी। यह फिल्म साल 1996 में आई फिल्म इंडियन का सीक्वेल है। इस फिल्म को एस. शंकर डायरैक्ट कर रहे हैं।

औरत किसी से कम नहीं

शमा



पॉपुलर टी.वी. व फिल्म एक्ट्रेस शमा सिकंदर 21 वर्ष के अपने करियर में हर माध्यम पर काम कर चुकी हैं। उन्होंने करियर व जिंदगी के बीच सामंजस्य बैठाना सीख लिया है। शमा खुद को 'महिला सशक्तिकरण और उत्थान' की ध्वजवाहक मानती हैं। वह कहती हैं, 'जहां सिनेमा ने मुद्दों को मुख्य धारा में लाने में बड़ी भूमिका निभाई है, तो वहीं महिलाओं ने स्क्रीन सैल्यूलाइड के पर्दे पर महिला सशक्तिकरण की बात करने वाले किरदार निभाए हैं। ऐसा कई दशकों से होता आ रहा है। फिर चाहे वह फिल्म 'मदर इंडिया' में नरगिस दत्त का किरदार रहा हो, 'अर्थ' में शबाना आजमी, फिल्म 'कहानी' में विद्या बालन अथवा फिल्म 'शोले' में बसंती के किरदार में हेमा मालिनी का अभिनय हो। क्या हम 'मदर इंडिया' में नरगिस या 'शोले' की बसंती को कभी भुला सकते हैं? देखिए, महिलाओं के लिए सदैव मुद्दे सर्वोपरि रहे हैं और कोई भी मुद्दा ऐसा नहीं है, जिस पर महिलाएं आंखें मूंदे रहें। हमें मुद्दों को स्वीकार करना होगा और समाज को एक समाधान की ओर बढ़ाना होगा। फिल्म 'इंग्लिश विंग्लिश' में श्री देवी जी का किरदार भी इसी दिशा में एक सफल प्रयास था। श्री देवी ने तमाम फिल्मों में बेहतरीन काम किया। भारतीय फिल्में पूरे विश्व में आधुनिक भारतीय महिला का प्रतिनिधित्व करती हैं। उनका प्रदर्शन शानदार रहा है।

हम इस तथ्य को स्वीकार करते हैं कि राष्ट्रव्यापी रूप से हमारे पास हर क्षेत्र में महिलाओं के सशक्तिकरण का एक समान स्तर है और महिलाओं और पुरुषों के नेतृत्व में एक बड़ा सामूहिक प्रयास करना होगा। महिला सशक्तिकरण पर 'थप्पड़' एक बेहतरीन फिल्म है और सभी महिलाएं इसे देखने के बाद अपने लिए एक स्टैंड लेंगी।' शमा सिकंदर आगे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि एक औरत में बहुत सारी खूबियां होती हैं। हर औरत एक साथ कई काम सफलतापूर्वक कर सकती है, बशर्ते उसे इस बात का अहसास हो। अगर आपको पता है कि आप कर सकते हैं, तो आपको जरूर करना चाहिए। एक जिंदगी है, जितना कर सकते हैं, उतना कीजिए। मुझे नहीं लगता कि कहीं कोई सीमा है। यदि कोई किसी महिला से कहता है कि आपको यह काम नहीं करना चाहिए, तो वह पूरी तरह से गलत है। कम से कम मैं तो इसे पूर्णरूपेण गलत मानती हूं। मुझे लगता है कि मैं बहुत सारी चीजें अच्छे से कर सकती हूं इसलिए कर रही हूं। मैंने हर तनाव और दबाव को झेला है। मैंने खुद को मजबूत बनाने और सभी बाधाओं के खिलाफ लड़ने का ही काम किया है। मेरी राय में हर महिला को दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बनना चाहिए।'

कड़ी मेहनत कर रही हैं नोरा



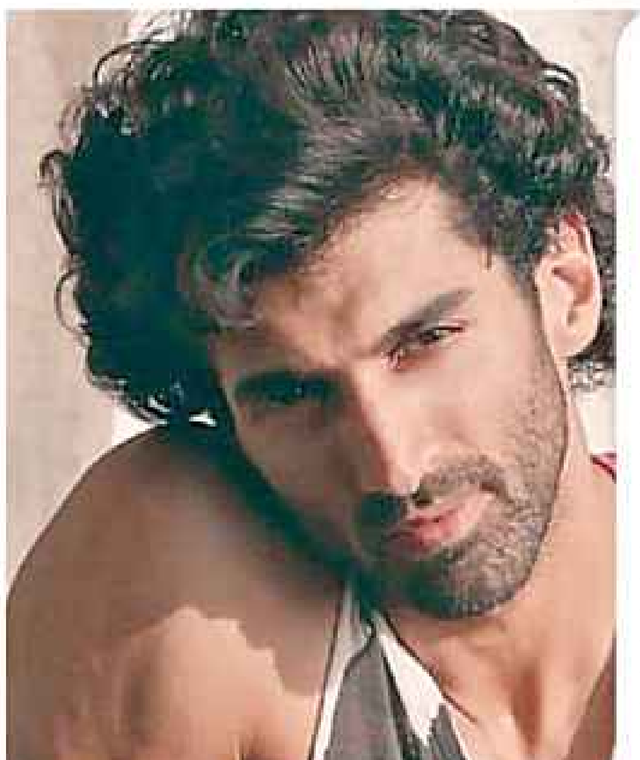
'स्ट्रीट डांसर 3डी' के साथ वर्ष की शुरुआत करने के बाद नोरा फतेही आगामी फिल्म 'भुज : द प्राइड ऑफ इंडिया' में एक जासूस के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौर की है। फिल्म के लिए नोरा ने एक्शन सीन्स के लिए मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में ट्रेनिंग भी ली है। नोरा बताती है, 'मैंने बेसिक चीजें सीखी हैं, जिनमें किसी को लात मारना, मुक्का मारना, नीचे गिराना और यहां तक कि बंदूक चलाना भी शामिल है। यह एक परफॉर्मेंस ओरिएंटेड भूमिका है और मेरे करियर को बड़ी ऊंचाई देगी।' नोरा ने जोर देकर कहा कि 'स्ट्रीट डांसर 3डी' फिल्म से बहुत कुछ सीखने मिला है, लेकिन एक डांसर के रूप में अपनी छाप बनाने के बाद, वह अब एक कलाकार के रूप में खुद को स्थापित करना चाहती है। 'टाइपकास्टिंग एक कलाकार की प्रगति में बाधा डालता है। प्रतिभा और बहुमुखी प्रतिभा तब खिल उठेगी जब लोगों का सिर्फ एक काम करने का यह विचार गायब हो जाएगा, लेकिन चीजें बदल रही हैं', नोरा आशावादी रूप से कहती हैं। पिछले महीने, नोरा ने पैरिस के ओलंपिया में, पिंक फ्लॉइड, द बीटल्स, जैनेट जैक्सन, मैडोना और टेलर स्विफ्ट के कॉन्सर्ट की जगह परफॉर्म किया था। यह नोरा का पहला म्यूजिक कॉन्सर्ट था और उन्होंने 'दिलबर', 'साकी साकी', 'कमरिया' और 'एक तो कम जिंदगानी' जैसे सॉन्ग्स को गाया। 'मैं और मेरी टीम छह महीने से इस पर काम कर रहे थे। ओलंपिया आपको केवल तभी प्रदर्शन करने की अनुमति देगा जब आप एक सेलेबल कलाकार होंगे। यह एक हाऊसफुल शो था, जिसमें भारत, मध्य पूर्व और मोरक्को के दर्शक आए हुए थे। मैंने अपने एल्बम से, अंग्रेजी सॉन्ग 'पेपेटा' और 'दिलबर' का अरबी संस्करण भी गाया।



नैटफ्लिक्स पर टॉप कियारा की 'गिल्टी'

कियारा अडवानी ने धीरे-धीरे बॉलीवुड में अपना मुकाम हासिल कर लिया है। हिट फिल्मों के साथ अभिनेत्री ने साबित कर दिया है कि वह यहां रहने और अपनी छाप बनाने के लिए पूरी तरह काबिल हैं। फिल्मों से अपनी थाली फुल रखने वाली अभिनेत्री ने करण जौहर के साथ डिजीटल प्लेटफॉर्म नैटफ्लिक्स पर 'गिल्टी' फिल्म से वापसी की। यह कहानी एक हाई-एंड कालेज के छात्रों के एक समूह के इर्द-गिर्द घूमती है और कैसे उनका जीवन बदलता है जब एक छोटे शहर की छात्रा एक प्रभावशाली परिवार के लड़के के खिलाफ मीटू आरोप लगाती है। आगे जो होता है उससे आपके होश उड़ जाएंगे। 'गिल्टी' एक पहली वैब फिल्म है जिसका निर्माण करण जौहर की कंपनी धर्माटिक एंटरटेनमैंट द्वारा किया गया है। फिल्म का निर्देशन रुचि नारायण ने किया है और इसमें आकांशा रंजन, गुरफतेह सिंह पीरजादा और ताहेर शब्बीर ने लीड रोल्स में अभिनय किया है। मेकर्स अब बेहद खुश हैं क्योंकि फिल्म को दर्शकों से काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और सिर्फ दस दिनों में नैटफ्लिक्स पर नंबर 1 पर ट्रेंड कर रहा है। सभी अभिनेताओं के प्रदर्शन की सराहना की गई है और प्राप्त सकारात्मक प्रतिक्रिया से टीम 'गिल्टी' दर्शकों की आभारी है।

-अनिल बेदाग



दिल जीतने में कामयाब हुए आदित्य

शुरू से आदित्य को टैलेंटेड एक्टर्स में गिना जाता रहा है लेकिन बॉक्स ऑफिस के लिहाज से वह निरंतर प्रशंसकों को निराश करते रहे। देर से ही सही लेकिन 'मलंग' (2020) में वह अपनी परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत चुके हैं...

आदित्य रॉय कपूर ने मोहित सूरी द्वारा निर्देशित 'मलंग' (2020) में अद्वैत ठाकुर के किरदार में जबरदस्त एक्शन, इमोशन का पैकेज देते हुए खुद को साबित कर ही दिया। फिल्म में उनकी बॉडी लैंग्वेज और बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन बेहद शानदार रहे। अनिल कपूर की सलाह पर आदित्य ने बॉडी को मेकओवर करते हुए टॉम क्रूज की तरह जबरदस्त एक्शन सीन किए। इसके लिए उन्होंने रोजाना 2-3 घंटे जिम में बिताए, मार्शल आर्ट सीखने के लिए जबरदस्त मेहनत की, तब कहीं जाकर वह लुक पाया। ट्रेनर सुदर्शन डी. अम्बकर ने इस काम के लिए आदित्य की काफी मदद की।

'मलंग' (2020) में बेहद खूबसूरत दिशा पटानी के साथ आदित्य के कई किसिंग सीन्स थे। दोनों की स्क्रीन कैमिस्ट्री कमाल की थी। दिशा को पीठ पर बैठाकर आदित्य ने जो किस सीन किया, वह एक अनोखा प्रयोग था। एक वीजे के तौर पर करियर शुरू करने वाले आदित्य ने विपुल शाह की 'लंदन ड्रीम्स' (2009) से बॉलीवुड में शुरुआत की थी। उसके बाद वह 'एक्शन रिप्ले' (2010) और 'गुजारिश'(2010) के छोटे-छोटे रोल्स में नजर आए। उसके बाद कहीं जाकर मोहित सूरी की 'आशिकी 2' (2013) में पहली बार एक लीड एक्टर के तौर पर उन्हें मान्यता मिल सकी। उन्होंने अपने करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे। अनेक बार उन्हें तारीफ मिली तो कई बार उनके काम की खूब आलोचना भी हुई। पिछले साल वो मल्टी स्टारर डिसास्टर 'कलंक' (2019) में नजर आए थे। सही अर्थों में 'आशिकी 2' (2013) के बाद आदित्य की कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म नहीं कर सकी थी। शुरू से आदित्य को टैलेंटेड एक्टर्स में गिना जाता रहा है लेकिन बॉक्स ऑफिस के लिहाज से वह निरंतर प्रशंसकों को निराश करते रहे। देर से ही सही लेकिन 'मलंग' (2020) में वह अपनी परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया। 'मलंग' (2020) के बाद आदित्य, महेश भट्ट द्वारा निर्देशित 'सड़क 2' में आलिया भट्ट के अपोजिट लीड किरदार निभा रहे हैं। इसके जरिए एक लंबे अरसे बाद, महेश भट्ट निर्देशक के रूप में कमबैक करने जा रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि इसमें वह किसी तरह की कोई कसर नहीं रहने देंगे। यह इस साल 10 जुलाई को रिलीज होगी। 'सड़क 2' के अलावा आदित्य रॉय कपूर, अनुराग बसु की 'लूडो' में अभिषेक बच्चन, राजकुमार राव और सानिया मल्होत्रा के साथ मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। 'एक विलेन 2' में वह जॉन अब्राहम के साथ नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि यह 'एक विलेन' का सीक्वेल न होकर एक बिल्कुल अलग कहानी पर आधारित होगी। मोहित सूरी इसका टाइटल भी 'दो विलेन' रखना चाहते हैं।

जल्द आएगी इरफान की 'अपनों से बेवफाई'

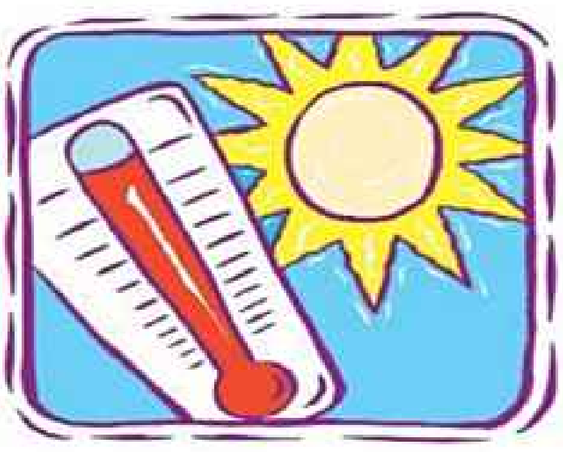


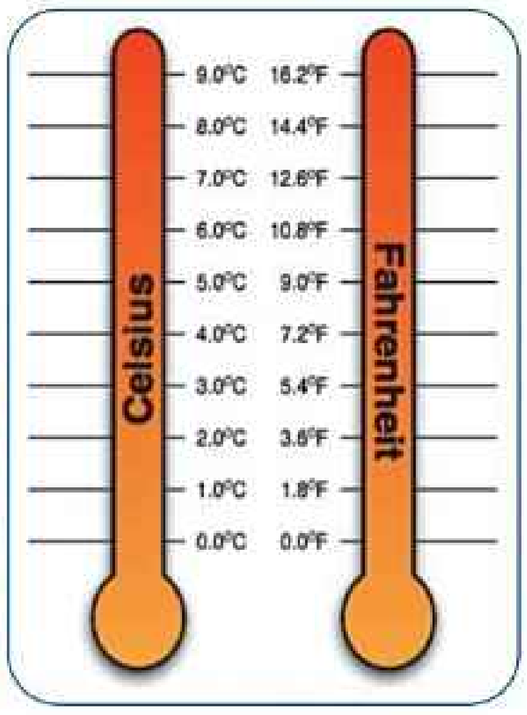
दिग्गज एक्टर और इंटरनैशनल स्टार इरफान खान फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम' से एक बार फिर फिल्मों में धमाकेदार वापसी की है। इस फिल्म का इंतजार फैंस लंबे अर्से से कर रहे थे। अब खबर है कि इरफान की एक और फिल्म जल्द ही रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म लंबे अर्से से लटकी हुई थी लेकिन अब इसे रिलीज डेट मिल गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इरफान की फिल्म 'अपनों से बेवफाई' 2 अप्रैल को रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म 2 साल पहले ही पूरी हो गई थी लेकिन लटकी पड़ी थी। फिल्म के डायरैक्टर प्रकाश भालेकर ने इस खबर को कन्फर्म किया है। उन्होंने बताया है कि यह एक पारिवारिक फिल्म है जिसमें इरफान के साथ सपॉर्टिंग रोल में नए एक्टर्स दिखाई देंगे। भालेकर ने यह भी बताया है कि पैसे की कमी के कारण यह फिल्म अभी तक रिलीज नहीं हो पाई है। हालांकि यह इरफान की तबीयत खराब होने से पहले ही पूरी हो चुकी थी। बता दें कि इरफान की 'अंग्रेजी मीडियम' हाल ही में रिलीज हुई है। फिल्म में इरफान खान के साथ करीना कपूर, राधिका मदान और दीपिका डोबरियाल मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म को क्रिटिक्स के काफी अच्छे रिव्यूज मिले हैं।

तापमान किसे कहते हैं?

तापमान किसी वस्तु की उष्णता की माप है। यानी तापमान से यह पता चलता है कि कोई वस्तु ठंडी है या गर्म। उदाहरण के लिए-यदि किसी एक वस्तु का तापमान 20 डिग्री है और एक दूसरी वस्तु का 40 डिग्री, तो यह कहा जा सकता है कि दूसरी वस्तु प्रथम वस्तु की अपेक्षा अधिक गर्म है।

एक अन्य उदाहरण-यदि बंगलौर में, 4 अगस्त 2015 का औसत तापमान 29 डिग्री था और 5 अगस्त का तापमान औसत 32 डिग्री, तो बंगलौर 5 अगस्त 2015 को, 4 अगस्त 2015 की अपेक्षा अधिक गर्म था। उपरोक्त उदाहरणों में तापमान को डिग्री में निरुपित किया गया है, जो कि वास्तव में कई पैमानों पर मापा जाता है। वे हैं- सैल्सियस, कैल्विन, रोमर, फॉरैन्हाइट इत्यादि।





सैल्सियस-इसे सैन्टीग्रेड पैमाना भी कहते हैं। इस पैमाने के अनुसार पानी, सामान्य दबाव पर 0 डिग्री सैल्सियस पर जमता है और 100 डिग्री सैल्सियस पर उबलता है। यह पैमाना दैनिक वातावरणीय तथा अन्य कामों में काफी प्रयुक्त होता है।

कैल्विन-इस पैमाने के अनुसार पानी, सामान्य दबाव पर 273.15 डिग्री कैल्विन पर जमता है और 373.15 डिग्री कैल्विन पर उबलता है। यह पैमाना वैज्ञानिक गणनाओं तथा अन्य कामों में काफी प्रयुक्त होता है।

फॉरैन्हाइट-इस पैमाने के अनुसार पानी, सामान्य दबाव पर 32 डिग्री फॉरैन्हाइट पर जमता है और 212 डिग्री फॉरैन्हाइट पर उबलता है। परम्परागत बुखार मापने के लिए प्रयुक्त थर्मामीटर में इसी पैमाने का प्रयोग होता है। यदि किसी व्यक्ति के शरीर का तापमान 98 डिग्री से ज्यादा हो जाता है तो वह ज्वर यानी बुखार से पीड़ित होता है। यह पैमाना दैनिक वातावरणीय तथा अन्य कामों मे प्रयुक्त होता है।

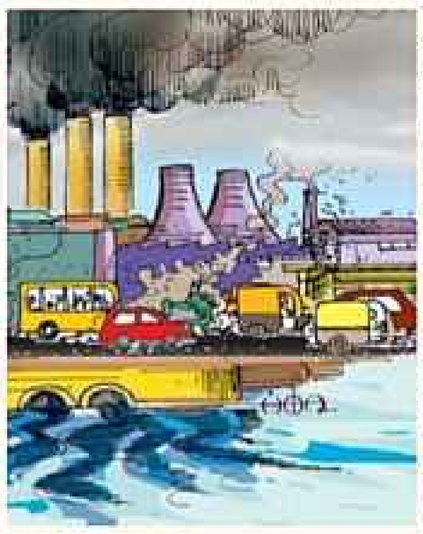
रोमर-इस पैमाने के अनुसार पानी, सामान्य दबाव पर 0 डिग्री रोमर पर जमता है और 80 डिग्री रोमर पर उबलता है। यह पैमाना अन्य सभी की अपेक्षा बेहद कम प्रयुक्त होता है। -महत्व

मेकअप से पहले मेकअप के बाद मुग्धा



जानकारी 'एसिड रेन' की

वायुमंडल में वाहनों द्वारा या अन्य प्रदूषकों द्वारा छोड़ी गई गैसें होती हैं। ये गैसें सल्फर डाई-ऑक्साइड, नाइट्रोजन डाई-ऑक्साइड तथा नाइट्रोजन ट्राई ऑक्साइड हैं जिनको अम्लीय गैसें भी कहते हैं। ये गैसें वायु में स्थित जल वाष्पों के साथ मिलकर अम्ल बनाती हैं और वर्षा के जल के साथ पृथ्वी पर आ जाती हैं। ऐसी वर्षा को एसिड रेन कहते हैं। एसिड रेन अर्थात् अम्लीय वर्षा सल्फ्यूरिक अम्ल, नाइट्रिक अमल और वर्षा का मिश्रण है। कारखानों में से निकले अम्ल जैसे नाइट्रिक अम्ल तथा सल्फ्यूरिक अम्ल हवा में फैल जाते हैं। जब वर्षा होती है तो ये वर्षा में मिलकर उस वर्षा को अम्लीय वर्षा अर्थात् एसिड रेन बना देते हैं। यह वर्षा बहुत



ही हानिकारक होती है। इस वर्षा से ऊंचे भवनों तथा इमारतों को बहुत नुक्सान होता है। इस वर्षा ने सुप्रसिद्ध ताजमहल को भी बहुत नुक्सान पहुंचाया है। विभिन्न रासायनिक उद्योगों से सड़क पर चलने वाले वाहनों से सल्फर डाई-ऑक्साइड व कुछ मात्रा में सल्फर ट्राई ऑक्साइड गैस निकलती है। यह सल्फर डाई-ऑक्साइड, सल्फर ट्राई ऑक्साइड में ऑक्सीकृत हो जाती है जो वर्षा के जल में घुलकर तनु सल्फ्यूरिक अम्ल के रूप में वर्षा करती है इसे अम्लीय वर्षा (एसिड रेन) कहते हैं। अम्लीय वर्षा पौधों तथा ऐतिहासिक भवनों के लिए हानिकारक है। मिट्टी में सल्फ्यूरिक अम्ल की उपस्थिति से मिट्टी खेती के लिए विषैली व अयोग्य हो जाती है। औद्योगिक विकास के साथ ही वर्षा जल की अम्लीयता में वृद्धि हुई है। वैज्ञानिकों की धारणा है कि अम्लीय वर्षा के कारण ताजमहल का पत्थर पीला पड़ गया है, तालाबों व -झीलों से मछलियों की बहुत सी जातियां समाप्त हो गई हैं। अम्लीय वर्षा से मिट्टी प्रदूषित हो गई है तथा फसलें भी प्रभावित हुई हैं।

-महत्व

धारावाहिक उपन्यास-151

धर्मवीर भारती

गुनाहों का देवता

दरवाजा खटका और गेसू ने प्रवेश किया। आकर, दौड़कर सुधा से लिपट गई। चन्दर उठकर चला आया। 'चले कहां भाईजान, बैठिए न?'

'नहा लूं, तब आता हूं...' चन्दर चल दिया। वह इतना खुश था, इतना खुश कि बाथ-रूम में खूब गाता रहा और नहा चुकने के बाद उसे ख्याल आया कि उसने बनियान उतारी ही नहीं थी। नहाकर कपड़े बदलकर वह आया तब भी गुनगुना रहा था। कमरे में आया तब देखा गेसू अकेली बैठी है।

'सुधा कहां गई?' चन्दर ने नाचते हुए स्वर में कहा।

'गई है शरबत बनाने।' गेसू ने चुन्नी से सिर ढंकते हुए और पांवों को सलवार से ढंकते हुए कहा। चन्दर इधर-उधर बॉक्स में रूमाल ढूंढने लगा।

'आज बड़े खुश हैं, चन्दर भाई! कोई खोई हुई चीज मिल गई है क्या? अरे, मैं बहन हूं कुछ ईनाम ही दे दीजिए।' गेसू ने चुटकी ली।

'ईनाम की बात क्या, कहो तो वह चीज ही तुम्हें दे दूं!'

'हां, कैलाश बाबू के दिल से पूछिए।' गेसू बोली।

'उनके दिल से तुम्हीं बात कर सकती हो!'

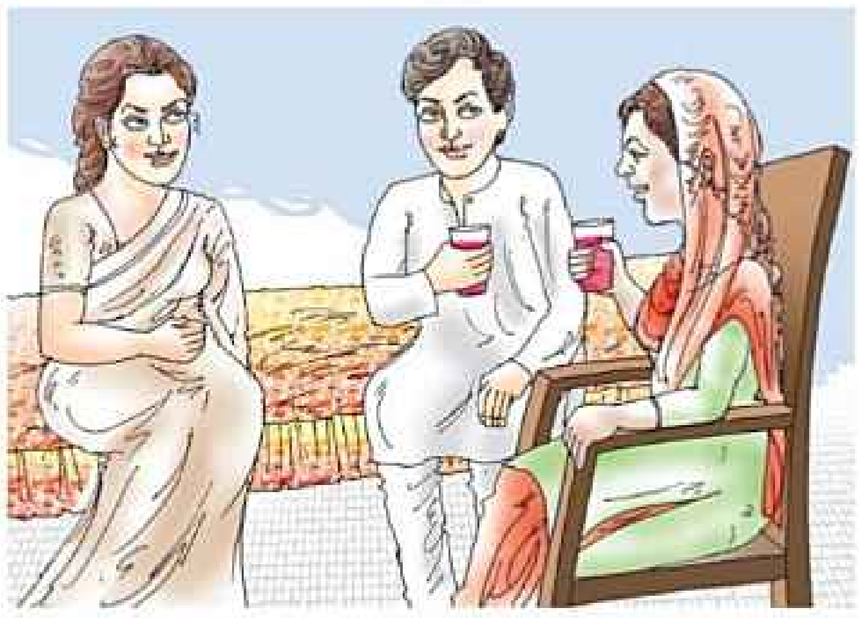
गेसू ने झेंपकर मुंह फेर लिया। सुधा हाथ में दो गिलास लिए आई। 'लो गेसू, पियो।' एक गिलास गेसू को देकर बोली, 'चन्दर, लो।'

'तुम पियो न!'

'नहीं, मैं नहीं पिऊंगी। बर्फ मुझे नुक्सान करेगी!' सुधा ने चुपचाप कहा। चन्दर को याद आ गया। पहले सुधा चिढ़-चिढ़कर अपने आप चाय, शरबत पी जाती थी...और आज...

'क्या ढूंढ रहे हो, चन्दर?' सुधा बोली।

'रूमाल, कोई मिल ही नहीं रहा!'



'चन्दर, बिनती के बारे में तुम्हारी क्या राय है?'
'राय? राय क्या होती है? बहुत अच्छी लड़की है! तुमसे तो अच्छी ही है!' चन्दर ने छेड़ा।
'अरे, मुझसे अच्छी तो दुनिया है, लेकिन एक बात पूछें? बहुत गम्भीर बात है ...

'साल-भर में रूमाल खो दिए होंगे! मैं तो तुम्हारी आदत जानती हूं। आज कपड़ा ला दो, कल सुबह रूमाल सी दूं तुम्हारे लिए।' और उठकर उसने कैलाश के बक्स से एक रूमाल निकालकर दे दिया।

उसके बाद चन्दर बाजार गया और कैलाश के लिए तथा सुधा के लिए कुछ कपड़े खरीद लाया। इसके साथ ही कुछ नमकीन जो सुधा को पसन्द था। पेठा, एक तरबूज, एक बोतल गुलाब का शरबत, एक सुन्दर-सा पेन और जाने क्या-क्या खरीद लाया? सुधा ने देखकर कहा, 'पापा नहीं हैं, फिर भी लगता है मैं मायके आई हूं!' लेकिन वह कुछ खा-पी नहीं सकी।

चन्दर खाना खाकर लॉन में बैठ गया, वहीं उसने अपनी चारपाई डलवा ली। सुधा के बिस्तर छत पर लगे थे। उसके पास महराजिन सोने वाली थीं। सुधा एक तश्तरी में तरबूज काटकर ले आई और कुर्सी डालकर चन्दर भी चारपाई के पास बैठ गया। चन्दर तरबूज खाता रहा...थोड़ी देर बाद सुधा बोली-

'चन्दर, बिनती के बारे में तुम्हारी क्या राय है?'

'राय? राय क्या होती है? बहुत अच्छी लड़की है! तुमसे तो अच्छी ही है!' चन्दर ने छेड़ा।

'अरे, मुझसे अच्छी तो दुनिया है, लेकिन एक बात पूछें? बहुत गम्भीर बात है!'

'क्या?'

'तुम बिनती से ब्याह कर लो।'

'बिनती से? कुछ दिमाग तो नहीं खराब हो गया है?'

'नहीं! इस बारे में पहले-पहले 'ये' बोले कि चन्दर से बिनती का ब्याह क्यों नहीं करती, तो मैंने चुपचाप पापा से पूछा। पापा बिल्कुल राजी हैं, लेकिन बोले मुझसे कि तुम्हीं कहो चन्दर से। कर लो चन्दर! बुआजी अब दखल नहीं देंगी।'

चन्दर हंस पड़ा, 'अच्छी खुराफातें तुम्हारे दिमाग में उठती हैं! याद है, एक बार और तुमने ब्याह करने के लिए कहा था?'

सुधा के मुंह से एक हल्का निःश्वास निकल पड़ा-'हां, याद है! खैर, तब की बात दूसरी थी, अब तो तुम्हें कर लेना चाहिए।'

'नहीं सुधा, शादी तो मुझे करनी ही नहीं है। तुम कह क्यों रही हो? तुम मेरे-बिनती के संबंधों को कुछ गलत तो नहीं समझ रही हो?'

'नहीं जी, लेकिन यह जानती हूं कि बिनती तुम पर अन्धश्रद्धा रखती है। उससे अच्छी लड़की तुम्हें मिलेगी नहीं। कम-से-कम इससे जिंदगी तुम्हारी व्यवस्थित हो जाएगी।'

-क्रमशः

कवेता कोना

शब्द एक आसमान



-नरेन्द्र मोहन

लौटता हूं शब्द में
शब्द में एक कुआं है
जिस में झंकता हूं
शब्द में एक समुद्र है
जिस में उतरता हूं
शब्द में एक आसमान है
जिस में उड़ता हूं
झुकना, उतरना और उड़ना
क्रियाएं नहीं हैं मेरे लिए
अपने 'होने' को पाना है
अनन्त में
शब्द मुझे बांधे हैं
मैं बांधे हूं शब्द को इस तरह कि
बंधन नहीं महसूस होता कहीं
वह मुझे ले जाता है
अपने से परे
अपने से बाहर
लोगों के बीच
जहां दहाड़ता एक दृश्य है
मेरी कल्पना को सोखता-निचोड़ता
निगल लिए जाने के भय से भागते
दृश्य से बाहर होते जा रहे
शब्द से मेरी जान है
विनम्रता से जिसे मैं खड़ा करता हूं
दृश्य के सामने किसी के लिए हो न हो
मेरे लिए कोई रास्ता नहीं मुक्ति का
शब्द के सिवा
कुएं से, समुद्र से आसमान तक
एक शब्द है भरा-पूरा
लौटता हूं उसी में !

*****

मृत्यु-स्वाधीन

अनकहे
सब कुछ कह देने वाला
सच का चेहरा
कितना निर्विकार और धुनी होता है
जोख़िम को सहेजने वाला!
सभी कुछ उघड़ा रहता है
निरावृत्त और निष्कवच
ढीठ और पारदर्शी!
नंगे सच की तासीर यही है कि
एक लपट-सी उठती है फैलती
कचरे को जलाती
उस को झेलने का माद्दा रखने वाला
ज़िंदा रहने की रस्म नहीं निभाता
और मौत से टकरा जाता है
तब सच, शहादत और स्वाधीनता में
कोई फ़र्क नहीं रह जाता!

श्री विष्णु पुराण

अठारहवां अध्याय (प्रथम अंश)



हे द्विजगण! इस प्रकार, जिनसे अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष-ये चारों ही फल प्राप्त होते हैं, उनके लिए भी आप ऐसा क्यों कहते हैं कि 'अनन्त से तुझे क्या प्रयोजन है?' तदनन्तर बहुत कहने से क्या लाभ? आप लोग तो मेरे गुरु हैं, आप उचित-अनुचित सभी कुछ कह सकते हैं ...

सो ऐसी बात को भला कौन न्यायोचित कह सकता है? आपका यह कथन किसी भी तरह ठीक नहीं है। ऐसा कह कर वे उनका गौरव रखने के लिए चुप हो गए और फिर हंसकर कहने लगे-'तुझे अनन्त से क्या प्रयोजन है? इस विचार को धन्यवाद है!'

हे मेरे गुरुगण! आप कहते हैं कि तुझे अनन्त से क्या प्रयोजन है? धन्यवाद है आपके इस विचार को! अच्छा, यदि आपको बुरा न लगे तो मुझे अनन्त से जो प्रयोजन है इसे सुनिये। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष-ये चार पुरुषार्थ कहे जाते हैं। वे चारों ही जिनसे सिद्ध होते हैं, उनसे क्या प्रयोजन? आपके इस कथन को क्या कहा जाए? उन अनन्त से ही दक्ष और मारीचि आदि तथा अन्यान्य ऋषिश्वरों को धर्म, किन्हीं अन्य मुनीश्वरों को अर्थ एवम् अन्य किन्हीं को काम की प्राप्ति हुई। किन्हीं अन्य महापुरुषों ने ज्ञान, ध्यान और समाधि के द्वारा उन्हीं के तत्व को जानकर अपने संसार बन्धन को काट कर मोक्षपद प्राप्त किया है। अतः सम्पत्ति, ऐश्वर्य, महात्म्य, ज्ञान, सन्तति और कर्म तथा मोक्ष इन सबकी एकमात्र मूल श्रीहरि की आराधना ही उपार्जनीय है।

हे द्विजगण! इस प्रकार, जिनसे अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष-ये चारों ही फल प्राप्त होते हैं, उनके लिए भी आप ऐसा क्यों कहते हैं कि 'अनन्त से तुझे क्या प्रयोजन है?' तदनन्तर बहुत कहने से क्या लाभ? आप लोग तो मेरे गुरु हैं, आप उचित-अनुचित सभी कुछ कह सकते हैं। फिर मुझे तो विचार भी अधिक नहीं है। इस विषय में ज्यादा क्या कहा जाए? (मेरे विचार से तो) सबके अन्तःकरणों में स्थित एकमात्र वे ही संसार के स्वामी तथा उसके रचयिता, पालक और संहारक हैं। वे ही भोक्ता और भोज्य तथा वे ही एकमात्र जगदीश्वर हैं।

हे गुरुगण! मैंने बाल्य भाव से यदि कुछ अनुचित कहा हो तो आप क्षमा करें।'

-क्रमशः

साइंसटीन अंकल की बातें

आग बुझाने वाला लाल सिलैंडर



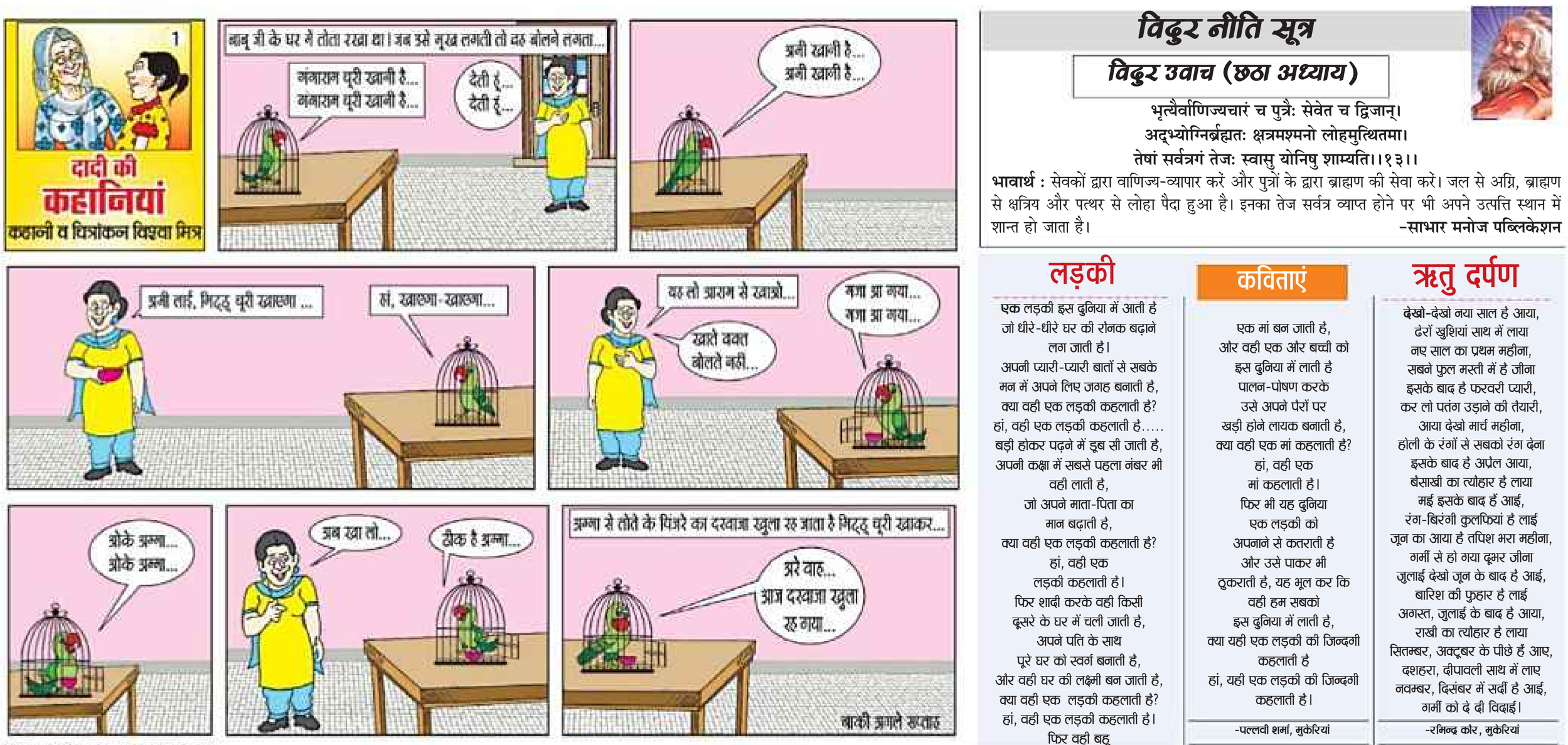
आजकल हर बड़े भवन या परिसर से लेकर मोटरगाड़ियों में आग बुझाने वाले यंत्र के रूप में लाल रंग के छोटे या बड़े सिलैंडर दिखाई पड़ते हैं। ये हमें एक तरह से भरोसा दिला रहे होते हैं कि कोई हादसा होने पर बचाव कर लेंगे। आग के बढ़ते खतरे और जोखिम को देखते हुए ये सिलैंडर अब हमारे लिए बेहद जरूरी बन गए हैं।

आग के लिए तीन बातें जिम्मेदार होती हैं अत्याधिक गर्मी, ऑक्सीजन तथा ईंधन। ईंधन किसी भी रूप में हो सकता है, जैसे गैसोलीन या लकड़ी। ये तीनों चीजें मिलकर आग की वजह बनती हैं। आग बुझाने वाले सिलैंडर यानी अग्निशामक इन्हीं चीजों से लोहा लेते हैं। पहले अग्निशामक सिलैंडरों में पानी ही भरा रहता था, जो प्रैशर से निकलकर आग बुझाता था लेकिन अब इन सिलैंडरों में अन्य तत्व भी इस्तेमाल होने लगे हैं। पानी वैसा अच्छा अग्निशामक तत्व है पर कई तरह की आग में यह ज्यादा काम नहीं आ पाता, जैसे बिजली के किसी उपकरण से लगी आग हो।

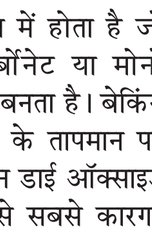
अग्निशामक सिलैंडरों में अब तरल रूप में कार्बन डाई ऑक्साइड गैस भरी जाती है। लीवर दबाने पर यह कार्बन डाई ऑक्साइड गैस के रूप में ऑक्सीजन से भारी होती है, इसलिए प्रैशर के साथ आग की वजह बन रही ऑक्सीजन को हटा देती है। इसी दौरान यह गैस सिलैंडर में ही नीचे की ओर दबाव बनाती है और सिलैंडरों के अलग पदार्थ भी गैस के साथ-साथ प्रैशर के साथ बाहर निकलने लगते हैं।

आग बुझाने में अन्य पदार्थों का इस्तेमाल होने लगा है। एक सबसे अच्छा आग बुझाने वाला पदार्थ है बेकिंग सोडा। यह सूखे पाउडर के रूप में होता है जो सोडियम बाइकार्बोनेट या मोनो अमोनिया फास्फेट से बनता है। बेकिंग सोडा 70 डिग्री सेंटीग्रेड के तापमान पर अपघटित होता है और कार्बन डाई ऑक्साइड छोड़ने लगता है। आग से सबसे कारगर तरीके से कार्बन डाई ऑक्साइड ही लड़ती है और इसके लिए सबसे जरूरी होता है उसका सिलैंडर से प्रेशर के साथ निकलना। प्रेशर दर्शाने के लिए सिलैंडरों पर मीटर भी लगे होते हैं पर ज्यादा समय तक सिलैंडर का प्रयोग न होने की हालत में यह जरूरी नहीं कि मीटर सही प्रेशर ही बताए। बहुत ज्यादा गर्मी, ऑक्सीजन और अन्य सामान गैसें व ईंधन में से अग्निशामक किसी एक चीज पर प्रहार करता है ताकि वह गठजोड़ टूटे। ज्यादातर ईंधन को ही निशाना बनाया जाता है।

प्रस्तुतिः **सक्षम**



विदुर नीति सूत्र



विदुर उवाच (छठा अध्याय)

भृत्यैर्वाणिज्यचारं च पुत्रैः सेवेत च द्विजान्।
अद्भ्योग्निर्ब्रह्मतः क्षत्रमश्मनो लोहमुत्थितमा।
तेषां सर्वत्रगं तेजः स्वासु योनिषु शाम्यति।।१३।।

भावार्थ : सेवकों द्वारा वाणिज्य-व्यापार करें और पुत्रों के द्वारा ब्राह्मण की सेवा करें। जल से अग्नि, ब्राह्मण से क्षत्रिय और पत्थर से लोहा पैदा हुआ है। इनका तेज सर्वत्र व्याप्त होने पर भी अपने उत्पत्ति स्थान में शान्त हो जाता है।

-साभार मनोज पब्लिकेशन

लड़की

एक लड़की इस दुनिया में आती है
जो धीरे-धीरे घर की रौनक बढ़ाने
लग जाती है।
अपनी प्यारी-प्यारी बातों से सबके
मन में अपने लिए जगह बनाती है,
क्या वही एक लड़की कहलाती है?
हां, वही एक लड़की कहलाती है.....
बड़ी होकर पढ़ने में डूब सी जाती है,
अपनी कक्षा में सबसे पहला नंबर भी
वही लाती है,
जो अपने माता-पिता का
मान बढ़ाती है,
क्या वही एक लड़की कहलाती है?
हां, वही एक
लड़की कहलाती है।
फिर शादी करके वही किसी
दूसरे के घर में चली जाती है,
अपने पति के साथ
पूरे घर को स्वर्ग बनाती है,
और वही घर की लक्ष्मी बन जाती है,
क्या वही एक लड़की कहलाती है?
हां, वही एक लड़की कहलाती है।
फिर वही बहू

कविताएं

एक मां बन जाती है,
और वही एक और बच्ची को
इस दुनिया में लाती है
पालन-पोषण करके
उसे अपने पैरों पर
खड़ी होने लायक बनाती है,
क्या वही एक मां कहलाती है?
हां, वही एक
मां कहलाती है।
फिर भी यह दुनिया
एक लड़की को
अपनाने से कतराती है
और उसे पाकर भी
ठुकराती है, यह भूल कर कि
वही हम सबको
इस दुनिया में लाती है,
क्या यही एक लड़की की जिन्दगी
कहलाती है
हां, यही एक लड़की की जिन्दगी
कहलाती है।

-पल्लवी शर्मा, मुकेरियां

ऋतु दर्पण

देखो-देखो नया साल है आया,
ढेरों खुशियां साथ में लाया
नए साल का प्रथम महीना,
सबने फुल मस्ती में है जीना
इसके बाद है फरवरी प्यारी,
कर लो पतंग उड़ाने की तैयारी,
आया देखो मार्च महीना,
होली के रंगों से सबको रंग देना
इसके बाद है अप्रैल आया,
बैसाखी का त्यौहार है लाया
मई इसके बाद हैं आई,
रंग-बिरंगी कुलफियां है लाई
जून का आया है तपिश भरा महीना,
गर्मी से हो गया दूभर जीना
जुलाई देखो जून के बाद है आई,
बारिश की फुहार है लाई
अगस्त, जुलाई के बाद है आया,
राखी का त्यौहार है लाया
सितम्बर, अक्टूबर के पीछे हैं आए,
दशहरा, दीपावली साथ में लाए
नवम्बर, दिसंबर में सर्दी है आई,
गर्मी को दे दी विदाई।

-रमिन्द्र कौर, मुकेरियां

दैनिक सवेरा टाइम्स

बाल सवेरा

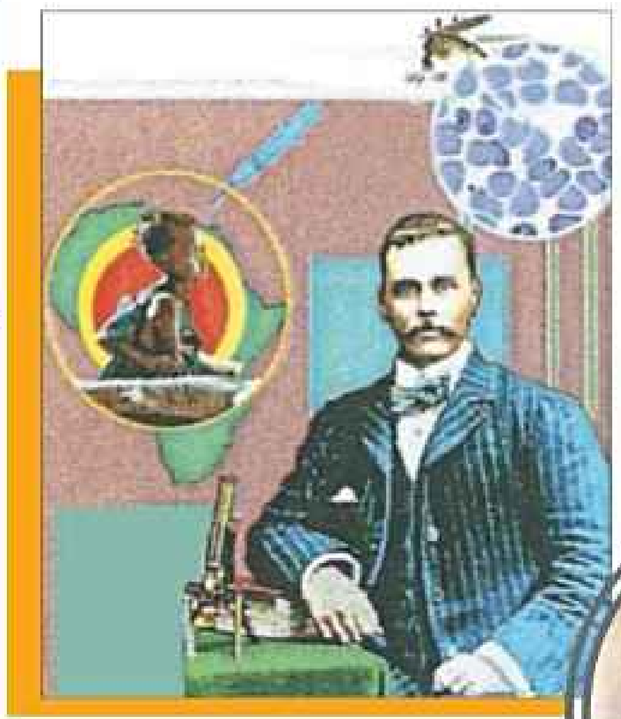
जालंधर, रविवार, 22 मार्च, 2020

विज्ञान लोक के तारे

रोनाल्ड रोस

रोनाल्ड रोस ब्रिटिश भौतिक शास्त्री माने जाते हैं लेकिन उनका जन्म अल्मोड़ा (भारत) में हुआ था। भारत ही उनकी कर्मभूमि भी साबित हुआ। वे एक सैन्य अधिकारी के पुत्र थे। उन्होंने लंदन जाकर मैडिसन की पढ़ाई की। सन् 1881 में वे भारतीय उपचार सेवाओं में प्रवेश कर गए।

1894 में उन्होंने पाया कि मलेरिया मच्छर के काटने से इंसानी शरीर में होता है। फिर रोस ने भारत में इसकी संभावनाओं पर खोजबीन आरंभ कर दी। उन्होंने खोज निकाला कि मलेरिया एनोफेलीज कहलाने



वाले खास मच्छरों के पेट में पाया जाने वाला परजीवी है। उन्होंने इन पर जीवाणुओं के 'लाइफ साइकिल' पर अध्ययन कर यह जाना कि ये मच्छर के थूक में भी पाए जाते हैं और उन्होंने इस रीति से साबित कर दिया कि मलेरिया केवल मच्छरों के काटने से ही होता है।

मलेरिया सम्बन्धी अपनी खोजों पर उन्हें 1902 में मैडिसन और भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ। उनका निधन 1932 में लंदन में हुआ।

-सरिता शर्मा



बोलती लकीरें



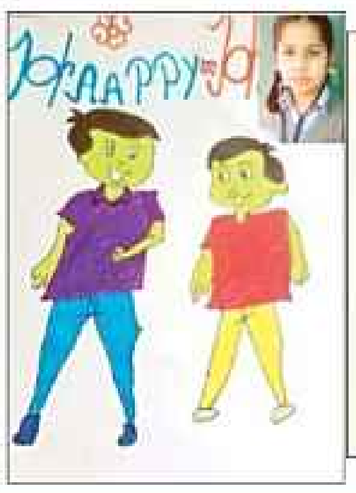
नाम - प्रीतइंदर सिंह
कक्षा - छठी
स्कूल- लाला सरकारू मल सर्वहितकारी विद्या मंदिर, खन्ना।



नाम - अशदीप
कक्षा - पांचवीं
स्कूल- एल.आर.एस. डी.ए.वी. मॉडल स्कूल, अबोहर।



नाम - विवेक
कक्षा - तीसरी
स्कूल- स्टार पब्लिक स्कूल, मुकेरियां।



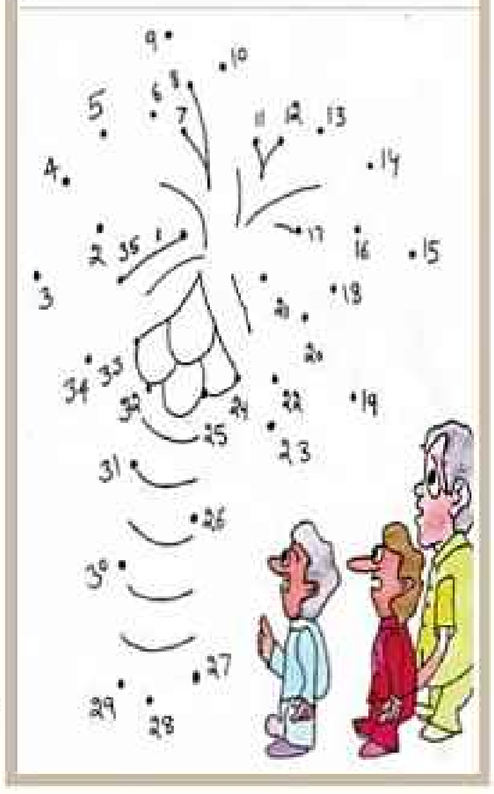
नाम - धर्मप्रीत कौर
कक्षा - तीसरी
स्कूल - स्टार पब्लिक स्कूल, मुकेरियां।

कृपया चित्र के साथ अपनी फोटो, पेंटिंग एवं स्कूल का नाम और कक्षा साफ-साफ अक्षरों में लिखकर भेजें।

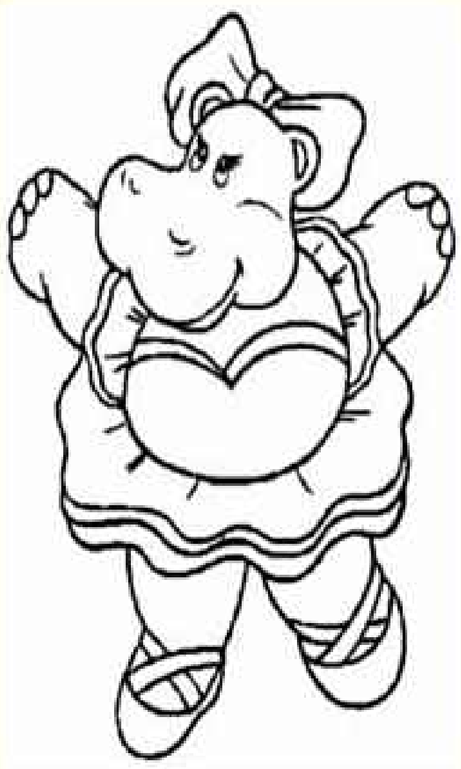
भेजने के लिए पता **259, लाजपत नगर, नजदीक गुरु नानक मिशन चौक, जालंधर, पिन कोड- 144004**

ई-मेल- **feature.dainiksavera@gmail.com**

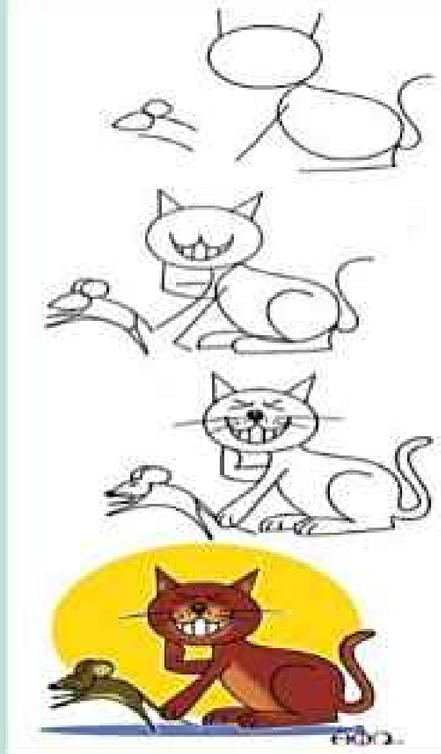
बिंदु मिलाओ चित्र बनाओ



चित्र में रंग भरें



चित्र ऐसे बनाएं



हंसी का पिटारा

लड़की : तुम मेरी फीलिंग्स कभी नहीं समझते यार...!

.
.

लड़का : मैं तो खुद की हैंडराइटिंग नहीं समझ पाता, फीलिंग्स कैसे समझूंगा...?

❖❖❖❖❖❖❖

पप्पू : सुबह जल्दी उठने का एक फायदा है।
गप्पू : वो क्या...?
पप्पू : हम देर से उठने वालों को ताने मार सकते हैं...!!!

❖❖❖❖❖❖❖

नौटी : वो जो टेबल पर आदमी बैठा है, उससे मेरी दुश्मनी है!
दोस्त : टेबल पर तो चार आदमी बैठे हैं।

नौटी : वो जिसकी मूंछें हैं!
दोस्त : मूंछें तो सबकी हैं।
नौटी : वो जिसके सफेद कपड़े हैं।
दोस्त : कपड़े तो सबके सफेद हैं।
नौटी ने गुस्से में पिस्तौल निकाली और तीन आदमियों को गोली मार दी... और जो बच गया, उसकी तरफ इशारा करके बोला- इससे मेरी दुश्मनी है, इसको नहीं छोड़ूंगा...!!!

❖❖❖❖❖❖❖

शैंकी: जिनका कोई नहीं होता, उनका पता है क्या होता है?
बंटी : हां... भगवान होता है!
शैंकी : नहीं रे...
बंटी: फिर?
शैंकी: उनकी नींद पूरी होती है...!!!

❖❖❖❖❖❖❖

एक बार विज्ञान के शिक्षक ने रम्मी से पूछा-
शिक्षक : रम्मी, बताओ चांद पर पहला कदम किसने रखा था?
रम्मी: सर, नील आर्मस्ट्रांग ने।
शिक्षक : शाबाश... और दूसरा?
रम्मी : दूसरा भी उसी ने रखा होगा सर,
वो लंगड़ा थोड़ी न था...!!!

❖❖❖❖❖❖❖

पति : चलो बात खत्म करो... गलत-फहमियों को आग लगा देते हैं!

.
.

पत्नी : ठीक है, ये लो माचिस... मैं पड़ोसन को बुला कर लाती हूं...!!!

❖❖❖❖❖❖❖

YAY! ओ क्लॉक का फन खोलो और सौल्व करो

SONY YAY!

पज़ल टाइम!

पैटर्न को पहचानो और सही जवाब बॉक्स में लिखो.



सही जवाब: ☐



क्रॉसवर्ड मस्ती

संकेतो की मदद से नीचे दिए गए क्रॉसवर्ड का हल करो.



दायें से बाएं:
4. हनी, बनी, पोपट और ज़ोरदार की मालकिन.

ऊपर से नीचे:
1. बनी इसे अपनी उँगलियों में पहनता है.
2. उस टून का नाम जिसे चीली पसंद है.
3. ये हमेशा अपनी मालकिन की हर बात मानता है.

हनी बनी और बैंक!



ऐसी ही दूसरी कहानियों के लिए देखें

HONEY BUNNY KA JHOLMAAL

केवल यहां

SONY YAY!

भाग लेने के लिए: नाम, पता, मोबाइल नंबर और उम्र के साथ अपने जवाब dskidscontest@gmail.com पर भेजिए और आकर्षक ईनाम जीतने का मौका पाइए.